GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. : 1903
(To be answered on the 27th July 2017)

EXPANSION OF AIR SERVICES

1903. SHRI DEVENDRA SINGH BHOLE
SHRI RAJU SHETTY

Will the Minister of CIVIL AVIATION
नागर विमानन मंत्री be pleased to state:-

(a) whether the Government proposes to provide air connectivity to Kanpur, Uttar Pradesh from various cities in the country;
(b) if so, the details thereof;
(c) the steps taken by the Government for expansion of air services in Kanpur;
(d) whether the Government proposes to make Kolhapur airport in Maharashtra operational and start flight services from there;
(e) if so, the details thereof and the facilities available at the airport at present; and
(f) the steps taken by the Government for expansion of Kolhapur airport?

ANSWER

Minister of State in the Ministry of CIVIL AVIATION
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (Shri Jayant Sinha)

---

(a) and (b): As on date there is no flight operation to/from Kanpur airport due to ongoing runway maintenance work. However, with repeal of Air Corporation act in March 1994, the Indian domestic aviation was deregulated. Airlines are free to induct capacity with any aircraft type, free to select whatever markets and network they wish to service and operate. Government has however, laid down Route Dispersal Guidelines (RDGs) with a view to achieve better regulation of air transport services of different regions of the country. As such, the airlines are free to operate anywhere in the country subject to compliance of RDGs issued by Government.

(c): Airports Authority of India (AAI) has signed a MoU for establishment of a New Civil Enclave at Knapur (Chakeri) with Govt of Uttar Pradesh in February, 2014. As per MoU, Govt. of Uttar Pradesh has to provide 50 acres of land for establishment of New Civil Enclave.

(d) and (e): Ministry of Civil Aviation has launched Regional Connectivity Scheme (RCS)-UDAN (Ude Desh ka Aam Nagrik) scheme on 21-10-2016 for providing connectivity to un-served and under-served airports of the country. The primary objective of RCS is to facilitate/ stimulate regional air connectivity by making it affordable by providing Viability Gap Funding (VGF) and other concessions to the selected airline operators under RCS. The interested airlines based on their assessment of demand on particular routes and submit proposals at the time of bidding under RCS from time to time. AAI, the implementing agency of Regional Connectivity Scheme (RCS) - UDAN after first round of bidding has awarded 27 numbers of proposals involving 31 un-served, 12 under-served airports including Kolhapur. Kolhapur airport is an operational airport of AAI suitable for operation of ATR-42 type of aircraft. Domestic Terminal building is suitable for handling 100 peak hour passengers at a time. Two parking stand NDB/VHF is available at Kolhapur airport.

(f): The following works has been planned for expansion of Kolhapur aiport by AAI:

(i) Extension of runway by 930m x 45m to have total runway length from existing 1370m x 45m to 2300m x 45m to make suitable for operation of A-320 type of aircraft operation along with Blast Pad, RESA (240m x 90m) at both ends of runway Turn Pad, link taxi track, Isolation bay.

(ii) New Domestic Terminal Building to handle 300 php (150arr + 150 dep) with covered area 3900 sqm as per IMG norms with a provision of extension on both sides, car park for 100 cars, VIP parking for 10 cars etc, New ATC tower cum Technical Block cum Fire Station & 4.5m wide perimeter road all around the acquired land.

(iii) Provision of new Isolation Bay 91m x 76m and 217.5m x 23m link taxiway with 2.5m shoulder suitable to cater for A-320 type of aircraft.

*****

भारत सरकार

**नागर विमानन मंत्रालय**

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : **1903**

दिनांक 27 जुलाई , 2017 / 5 श्रावण, 1939 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

**विमान सेवाओं का विस्तार**

**1903. श्री देवेन्द्र सिंह भोले:**

**श्री राजू शेट्टी:**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार देश में विभिन्न शहरों से कानपुर, उत्तर प्रदेश को विमान संपर्क प्रदान करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) कानपुर में वायु सेवाओं के विस्तार हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार का विचार महाराष्ट्र में कोल्हापुर हवाई अड्डे को शुरू करने और वहां से विमान सेवाएं प्रारंभ करने का है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वर्तमान में हवाई अड्डे पर क्या सुविधाएं उपलब्ध हैं; और

(च) कोल्हापुर हवाई अड्डे के विस्तार हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गये हैं?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जयंत सिन्हा )**

(क) तथा (ख): रनवे से संबंधित अनुरक्षण कार्य के कारण वर्तमान में कानपुर से / के लिए कोई उड़ान प्रचालित नहीं की जा रही है। तथापि, मार्च,1994 में वायु निगम अधिनियम का निरसन होने के पश्चात से भारतीय अंतर्देशीय विमानन को पूरी तरह से अविनियमित कर दिया गया था। एयरलाइनों को अपने बेड़े में किसी भी प्रकार के विमान का समावेश करने, अपनी पसंद के अनुसार सेवा एवं प्रचालन के लिए किसी भी बाजार तथा नेटवर्क का चयन की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। देश के विभिन्न क्षेत्रों की वायु परिवहन आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बेहतर विनियमन के लिए सरकार द्वारा मार्ग संवितरण दिशानिर्देश निर्धारित किए गए हैं। तथापि, किसी स्थान विशेष के लिए यातायात मांग एवं वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर विमान सेवाएं प्रदान करना एयरलाइनों पर निर्भर है। इस प्रकार, एयरलाइनें सरकार द्वारा जारी मार्ग संवितरण दिशानिर्देशों का अनुपालन करने की शर्त पर देश में कहीं भी प्रचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

(ग): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा कानपुर (चकेरी) में नए सिविल एंक्लेव की स्थापना के लिए फरवरी, 2014 में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौता ज्ञापन के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नए सिविल एंक्लेव की स्थापना के लिए 50 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाई जानी है।

(घ) तथा (ड.): नागर विमानन मंत्रालय द्वारा दिनांक 21.10.2016 को देश के असेवित एवं अल्प-सेवित हवाईअड्डों के लिए सम्पर्कता उपलब्ध करवाने के उद्देश्य क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना - उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) का शुभारंभ किया गया है। क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना का मूल उद्देश्य क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना के अंतर्गत चयनित एयरलाइन प्रचालकों को व्यवहार्यता अंतर निधियन (VGF) एवं रियायतें देकर क्षेत्रीय वायु सम्पर्कता को वहनीय बनाना है। इच्छुक एयरलाइनों द्वारा किसी मार्ग विशेष के संबंध में स्वयं किए गए मूल्यांकन के आधार पर क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना के अंतर्गत समय समय पर अपनी बोली प्रस्तुत की जाती है। क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना - उड़े देश का आम नागरिक की कार्यान्वयन एजेंसी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा बोली के पहले दौर के दौरान 31 असेवित एवं 12 अल्प-सेवित हवाईअड्डों से संबंधित 27 प्रस्तावों के लिए अवार्ड जारी किए गए हैं, जिनमें कोल्हापुर हवाईअड्डा भी शामिल है। कोल्हापुर हवाईअड्डा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का एक प्रचालनात्मक हवाईअड्डा है तथा यह एटीआर-42 प्रकार के विमानों के प्रचालन के लिए उपयुक्त है। इसका अंतर्देशीय टर्मिनल भवन में किसी भी समय व्यस्ततम काल के दौरान 100 यात्रियों को सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। कोल्हापुर हवाईअड्डो पर दो पार्किंग स्टैंड एनडीबी/वीएचएफ उपलब्ध हैं।

(च): कोल्हापुर हवाईअड्डे के विस्तार के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा निम्नलिखित कार्यों की योजना तैयार की गई है:-

(i) ब्लॉस्ट पैड, रनवे टर्न पैड के दोनों सिरों पर आरईएसए,लिंक टैक्सी ट्रैक, आइसोलेशन बे (दूरी पर स्थित बे) के साथ साथ (240 मी.x90 मीटर) विद्यमान 1370मी. x 45 मीटर के रनवे की लम्बाई में 930मी. x 45मीटर का कुल विस्तार करके इसे 2300मी. x 45मीटर किया जाना जिससे यहां से ए-320 प्रकार के विमान से प्रचालन किया जा सके।

(ii) आईएमजी मानदंडों के अनुसार 3900 वर्गमीटर आच्छादित क्षेत्र में 300 यात्री प्रति घंटा (150 आगमन + 150 प्रस्थान) के संचलन में सक्षम नए अंतर्देशीय टर्मिनल भवन का निर्माण जिसके दोनों तरफ विस्तार के प्रावधान, 100 कारों के लिए पार्किंग, 10 कारों के लिए वीआईपी पार्किंग इत्यादि, नए एटीसी टावर एवं तकनीकी ब्लॉक एवं अग्नि शमन स्टेशन तथा अधिगृहित भूमि के घेरे में चारदीवारी के साथ 4.5 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाना शामिल है।

(iii) 91 मी.x 76 मीटर की नई आइसोलेशन बे (दूरी पर स्थित बे) एवं ए-320 प्रकार के विमान के अनुरूप 2.5 मीटर शौल्डर के साथ 217.5मीटर x 23 मीटर आकार का लिंक टैक्सीवे।

****